



शब्द-अर्थ

संतोषी	- संतुष्ट	दाम	- कीमत
गुस्सा	- क्रोध	नुकसान	- हानि
जीविका	- रोज़ी-रोटी	घमंड	- अहंकार
अहंकारी	- घमंडी	ओढ़ना	- लपेटना
सेठ	- साहूकार (अमीर व्यक्ति)	उपयोग	- व्यवहार
कपड़ा	- वस्त्र	लज्जित	- शर्मिंदा
बेचना	- विक्रय करना	व्यवहार	- आचरण
टुकड़ा	- छोटा हिस्सा	क्षमा माँगना	- माफ़ी माँगना

1. प्रश्नों के उत्तर दें—

(i) संत तिरुवल्लुवर कैसे स्वभाव के थे?

....संत तिरुवल्लुवर संतोषी और शांत स्वभाव के थे।....

(ii) वे क्या काम करते थे?

....वे कपड़ा बुनते थे।....

(iii) सेठ किसे गुस्सा दिलाना चाहता था?

....सेठ संत कवि तिरुवल्लुवर को गुस्सा दिलाना चाहता था।....

(iv) तिरुवल्लुवर कपड़े के टुकड़े जोड़कर अपने लिए क्या बनाते?

....तिरुवल्लुवर कपड़े के टुकड़े जोड़कर अपने लिए ओढ़ना या बिछौना बनाते।....

(v) तिरुवल्लुवर से किसने क्षमा माँगी?

....तिरुवल्लुवर से सेठ ने क्षमा माँगी।....

2. किसने कहा?

(i) महाराज, यह कपड़ा किस मूल्य पर दोगे?

....सेठ ने कहा।....

(ii) इतना महँगा! कोई बात नहीं, एक गज दे दो।

....सेठ ने कहा।....

(iii) आप अपना रुपया अपने पास रखिए।

....तिरुवल्लुवर ने कहा।....

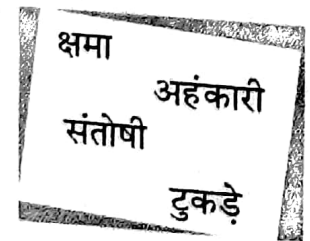
3. सही शब्द से खाली स्थान भरें—

(i) तिरुवल्लुवर शांत औरसंतोषी.... व्यक्ति थे।

(ii) येटुकड़े.... आपके किसी काम नहीं आएँगे।

(iii) सेठ ने अपने व्यवहार के लिएक्षमा.... माँगी।

(iv) सेठ बहुतअहंकारी.... था।



4. पढ़ें और समझकर लिखें—

- (i) संत तिरुवल्लुवर मुसकराकर कहते हैं।
संत तिरुवल्लुवर ने मुसकराकर "कहा"।
- (ii) मैं कपड़े का मूल्य लेता हूँ।
मैंने कपड़े का मूल्य "लिया"।
- (iii) तिरुवल्लुवर कपड़ा बेचते थे।
तिरुवल्लुवर ने कपड़ा "बेचा"।

5. सही शब्द चुनकर लिखें—

- (i) ये टुकड़े काम नहीं "आएँगे"। (आएगा/आएँगे)
- (ii) मैं अपने लिए बिछौना बना "लूँगा"। (लेगा/लूँगा)
- (iii) सेठ लज्जित हो "गया"। (गई/गया)
- (iv) उन्हें कभी गुस्सा नहीं "आता था"। (आती थी/आता था)

6. इन वाक्यों को हिंदी में लिखें—

- (i) Saint Thiruvalluwar was a famous poet of Tamil language.
"संत तिरुवल्लुवर तमिल भाषा के प्रसिद्ध कवि थे।"
- (ii) Thiruvalluwar came in the market to sell the cloth.
"तिरुवल्लुवर कपड़े बेचने बाज़ार आए।"
- (iii) A proudy moneyed man lived in that town.
"एक अहंकारी सेठ उस नगर में रहता था।"